066

MAHD-01

June - Examination 2018

MA (Previous) Hindi Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो (2) अंकों का है।

1) (i) पृथ्वीराज रासो ग्रन्थ में विद्यमान किन्हीं दो कथानक रुढ़ियों को बताइए।

(ii) कवि विद्यापति ने भौगोलिक ज्ञान सम्बन्धित कौनसी रचना लिखी?

(iii) ''जाग पियारी अब का सौवे। रैन गई दिन काहे को खोवै।'' इस पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

(iv) 'अखरावट' और 'आखिरी कलाम' काव्य ग्रन्थ किस कवि द्वारा लिखे गए हैं।

(v) तुलसीदास जी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) मीरा के काव्य में प्रेम की अनुभूति स्पष्ट कीजिए।

(vii) बिहारी के दोहों को 'गागर में सागर' भरनेवाला क्यों कहा जाता है?

(viii) कवि भूषण की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों मे से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
साधो भाई जीवत करो आसा।
जीवन समझे जीवत बूझे, जीवन मुक्ति निवासा।।
जीवन–मरन की फाँसन काटी। मुये मुक्ति की आसा।
तन छूटे जिव मिलन कहत है, सो सब झूठी आसा।
अबहूँ मिला तो तबहूँ मिलेगा, नहीं तो जमपुर बासा।।
कहै कबीर साधन हितकारी, हम साधन के दासा।।

3) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
''प्रकृति जोई जाके अंगपरी।
स्वान–पूँछ कोटिक जौ लागै, सूधि न काहु करी।
जैसे काग भच्छ नहीं छाड़ै जनमत जौन धरी।
धौये रंग जात कहु कैसे, ज्यों कारी कमरी।
ज्यों अहि डसत उदर नहीं पूरत, ऐसी धरनीं धरी।
सूर होउ सो होउ सोच नहिं, तैसे है एउ री।''

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''या जग जानकी जीवन को जस क्यौ इस आनन गाइ अघैये।
त्यौं पद्माकर मारग हैं बहु द्वै पद पाइ कितै कितै जैये।
नाम अनंत अनंत कहैं ते कहे न परै कहि काहि जतैये।
राम की रूरी कथा सुनिबे को करोरन कान कहौ कहाँ पैये।।

5) 'पृथ्वीराज रासो' काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

6) कबीर–काव्य की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखिए।

7) मीरा ने सामन्तवादी रूढ़ियों के प्रति विद्रोह किस प्रकार व्यक्त किया? स्पष्ट कीजिए।

8) बिहारी सतसई में चित्रित प्रेम और सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

9) भूषण के काव्य की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) तुलसीदासजी की भक्तिभावना पर एक लेख लिखिए।

11) सूरदास के काव्य में भावपक्ष एवं कलापक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है सोदाहरण विवेचना कीजिए।

12) निश्चल–निष्काम प्रेम की अभिव्यक्ति घनानन्द के काव्य में किस प्रकार हुई है? विश्लेषण कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक 8 अंक की)

(i) भूषण के काव्य में रसयोजना

(ii) पद्माकर का प्रकृति चित्रण।

(iii) विद्यापति के काव्य में भाव संवेदना।

(iv) बिहारी–सतसई का महत्व।

———